

भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-08052025-262959
CG-DL-E-08052025-262959

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 248]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 7, 2025/वैशाख 17, 1947

No. 248]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 7, 2025/VAISAKHA 17, 1947

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 2025

सा.का.नि. 291(अ).— केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 469 के साथ पठित धारा 133 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण के परामर्श से, कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्: -

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2025 है।
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 में, "अनुलग्नक" में, "ख. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)" शीर्षक के अधीन,-
(क) "भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) 21" में, -
(i) पैरा 8 में, पहले उप-पैरा के पश्चात्, निम्नलिखित उप-पैरा अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

"एक मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय होती है जब एक इकाई एक समय सीमा के भीतर अन्य मुद्रा प्राप्त करने में सक्षम होती है जो एक सामान्य प्रशासनिक विलंब की अनुमति देती है और एक बाजार या विनिमय तंत्र के माध्यम से जिसमें एक विनिमय लेनदेन लागू करने योग्य अधिकार और दायित्व सृजित करेगा।"

(ii) पैरा 8 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्: -

"परिभाषाओं का विस्तार

विनिमेय (अनुच्छेद क2-क10)

8क एक इकाई यह आकलन करती है कि क्या एक मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है:

(क) मापन तिथि पर; और

(ख) एक निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए।

8ख यदि कोई इकाई निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए माप तिथि पर अन्य मुद्रा की एक महत्वहीन राशि से अधिक प्राप्त करने में सक्षम नहीं है, तो मुद्रा अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है।"

(iii) पैरा 19 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

"मुद्रा अविनिमय होने पर स्पॉट विनिमय दर का आकलन (पैराग्राफ क11-क17)

19क एक इकाई एक माप तिथि पर स्पॉट विनिमय दर का आकलन करेगी जब एक मुद्रा उस तिथि पर किसी अन्य मुद्रा (पैराग्राफ 8, 8क-8ख और क2- क10 में वर्णित) में विनिमेय नहीं है। स्पॉट विनिमय दर का अनुमान लगाने में एक इकाई का उद्देश्य उस दर को प्रतिबिंबित करना है जिस पर मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में बाजार सहभागियों के बीच माप तिथि पर एक व्यवस्थित विनिमय लेनदेन होगा।

(iv) पैरा 26 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्:-

"26 जब विनिमय की अनेक दरें उपलब्ध हों तो ऐसी स्थिति में केवल वही एक दर प्रयोग में लाई जाएगी जिस पर भविष्य में लेन-देन का नकदी प्रवाह प्रस्तुत किया जाएगा या फिर शेष का निपटान किया जाएगा बशर्ते और नकदी प्रवाह व माप की तारीख एक ही रही हो।"

(v) पैरा 57 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्: -

"57क जब एक इकाई एक स्पॉट विनिमय दर का आकलन करती है क्योंकि एक मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है (अनुच्छेद 19क देखें), इकाई सूचना का प्रकटन करेगी जो अपने वित्तीय वक्तव्यों के उपयोगकर्ताओं को सक्षम बनाती है यह समझने के लिए कि कैसे मुद्रा अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं किया जा रहा है प्रभावित करता है, या, इकाई के वित्तीय प्रदर्शन, वित्तीय स्थिति और नकदी प्रवाह को प्रभावित करने की उम्मीद है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, एक इकाई निम्नलिखित के बारे में सूचना का प्रकटन करेगा:

(क) मुद्रा की प्रकृति और वित्तीय प्रभाव जो अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है;

(ख) उपयोग की गई स्पॉट विनिमय दर;

(ग) आकलन प्रक्रिया; और

(घ) वे जोखिम जिनके लिए इकाई को उजागर किया जाता है क्योंकि मुद्रा अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं होती है।

57ख पैराग्राफ क18-क20 निर्दिष्ट करता है कि कोई निकाय पैराग्राफ 57क कैसे लागू करता है।"

(vi) पैरा 60ट के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्: -

"60ठ विनिमेयता की कमी, पैराग्राफ 8 और 26 में संशोधन किया, और पैराग्राफ 8क-8ख, 19क, 57क-57ख और परिशिष्ट-क जोड़ा है। एक इकाई उन संशोधनों को 1 अप्रैल 2025 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए लागू करेगी। प्रारंभिक आवेदन की तारीख वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत है जिसमें एक इकाई पहले उन संशोधनों को लागू करती है।

60ड विनिमेयता की कमी को लागू करने में, एक इकाई तुलनात्मक जानकारी को पुनः स्थापित नहीं करेगी, इसके बजाय:

(क) जब इकाई अपनी कार्यात्मक मुद्रा में विदेशी मुद्रा लेनदेन की रिपोर्ट करती है, और, प्रारंभिक आवेदन की तारीख में, यह निष्कर्ष निकालती है कि इसकी कार्यात्मक मुद्रा विदेशी मुद्रा में विनिमेय नहीं है या, यदि लागू हो, तो यह निष्कर्ष निकालती है कि विदेशी मुद्रा अपनी कार्यात्मक मुद्रा में विनिमेय नहीं है, इकाई प्रारंभिक आवेदन की तारीख पर:

- i. प्रभावित विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं, और उस तिथि पर अनुमानित स्पॉट विनिमय दर का उपयोग करके विदेशी मुद्रा में उचित मूल्य पर मापा गया गैर-मौद्रिक वस्तुओं का रूपांतरण करेगी; और
- ii. प्रतिधारित आय के शुरुआती शेष के समायोजन के रूप में शुरू में संशोधनों को लागू करने के किसी भी प्रभाव को पहचानेगी।

(ख) जब इकाई अपनी कार्यात्मक मुद्रा के अतिरिक्त किसी प्रस्तुति मुद्रा का उपयोग करती है, या किसी विदेशी ऑपरेशन के परिणामों और वित्तीय स्थिति का रूपांतरण करती है, और, प्रारंभिक आवेदन की तारीख में, यह निष्कर्ष निकालती है कि इसकी कार्यात्मक मुद्रा (या विदेशी ऑपरेशन की कार्यात्मक मुद्रा) इसकी प्रस्तुति मुद्रा में विनिमेय नहीं है या, यदि लागू हो, तो निष्कर्ष निकालती है कि इसकी प्रस्तुति मुद्रा इसकी कार्यात्मक मुद्रा (या विदेशी ऑपरेशन की कार्यात्मक मुद्रा) में विनिमेय नहीं है, इकाई प्रारंभिक आवेदन की तारीख को।

- i. उस तिथि पर अनुमानित स्पॉट विनिमय दर का उपयोग करके प्रभावित परिसंपत्तियों और देनदारियों का रूपांतरण करेगी;
- ii. उस तिथि पर अनुमानित स्पॉट विनिमय दर का उपयोग करके प्रभावित इक्विटी वस्तुओं का रूपांतरण करेगी यदि इकाई की कार्यात्मक मुद्रा हाइपरइन्फ्लेशनरी है; और
- iii. शुरू में संशोधनों को लागू करने के किसी भी प्रभाव को रूपांतरण मतभेदों, इक्विटी के एक अलग घटक में संचित की संचयी मात्रा के समायोजन के रूप में पहचानें।

(vii) परिशिष्ट 'क' और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित परिशिष्ट और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात:-

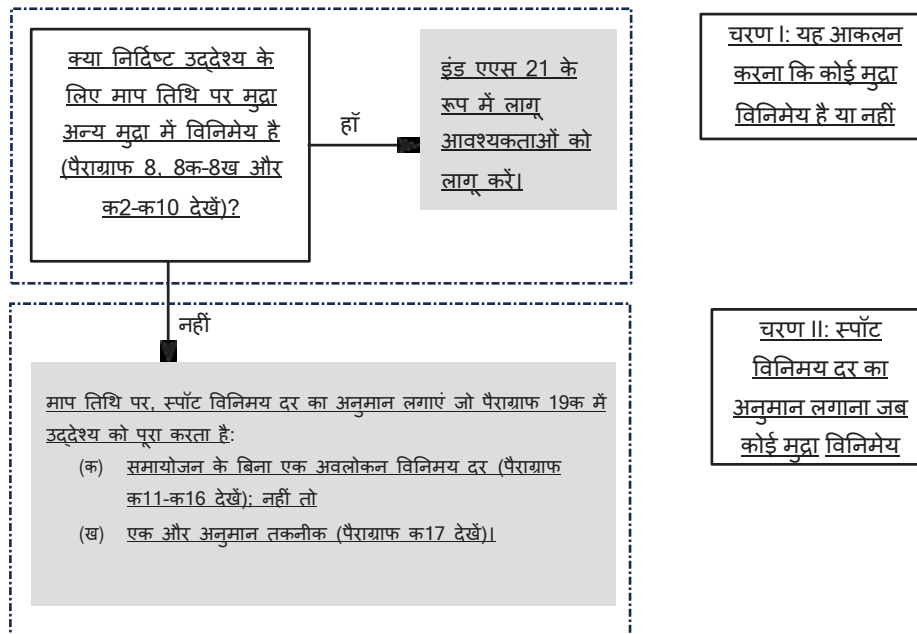
“परिशिष्ट क

आवेदन मार्गदर्शन

यह परिशिष्ट इस मानक का एक अभिन्न अंग है।

विनिमेयता

क1 निम्नलिखित आरेख का उद्देश्य संस्थाओं को यह आकलन करने में मदद करना है कि क्या मुद्रा विनिमेय है और जब मुद्रा विनिमय योग्य नहीं है तो स्पॉट विनिमय दर का अनुमान लगाती है।



चरण I: यह आकलन करना कि कोई मुद्रा विनिमेय है या नहीं

(पैराग्राफ 8 और 8क-8ख)

क2 अनुच्छेद क3-क10 किसी इकाई को यह आकलन करने में मदद करने के लिए अनुप्रयोग मार्गदर्शन निर्धारित करता है कि मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है या नहीं। एक इकाई यह निर्धारित कर सकती है कि एक मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है, भले ही वह अन्य मुद्रा दूसरी दिशा में विनिमेय हो। उदाहरण के लिए, एक इकाई यह निर्धारित कर सकती है कि मुद्रा पीसी मुद्रा एलसी में विनिमेय नहीं है, भले ही मुद्रा एलसी मुद्रा पीसी में विनिमेय है।

टाइम फ्रेम

क3 पैराग्राफ 8 तत्काल वितरण के लिए विनिमय दर के रूप में एक स्पॉट विनिमय दर को परिभाषित करता है। तथापि, एक विनिमय लेनदेन हमेशा कानूनी या नियामक आवश्यकताओं के कारण, या सार्वजनिक छुट्टियों जैसे व्यावहारिक कारणों से तुरंत पूरा नहीं हो सकता है। अन्य मुद्रा प्राप्त करने में एक सामान्य प्रशासनिक विलंब एक मुद्रा को उस अन्य मुद्रा में विनिमेय होने से नहीं रोकती है। एक सामान्य प्रशासनिक विलंब क्या होता है यह तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

अन्य मुद्रा प्राप्त करने की क्षमता

क4 यह आकलन करने में कि क्या कोई मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है, एक इकाई ऐसा करने के अपने इरादे या निर्णय के बजाय अन्य मुद्रा प्राप्त करने की अपनी क्षमता पर विचार करेगी। पैराग्राफ क2-क10 में अन्य अपेक्षाओं के अधीन, एक मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है यदि कोई इकाई अन्य मुद्रा प्राप्त करने में सक्षम है - या तो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से - भले ही वह ऐसा करने का इरादा रखता हो या ऐसा न करने का निर्णय लेता हो। उदाहरण के लिए, अनुच्छेद क2-क10 में अन्य अपेक्षाओं के अधीन, इस बात की परवाह किए बिना कि इकाई पीसी प्राप्त करने का इरादा रखती है या निर्णय लेती है, मुद्रा एलसी मुद्रा पीसी में विनिमेय है यदि कोई इकाई पीसी के लिए एलसी का आदान-प्रदान करने में सक्षम है, या किसी अन्य मुद्रा (एफसी) के लिए एलसी का आदान-प्रदान करने में सक्षम है और फिर पीसी के लिए एफसी का आदान-प्रदान करती है।

बाजार या विनिमय तंत्र

क5 यह आकलन करने में कि क्या कोई मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है, एक इकाई केवल बाजारों या विनिमय तंत्रों पर विचार करेगी जिसमें अन्य मुद्रा के लिए मुद्रा का आदान-प्रदान करने के लिए एक लेनदेन लागू करने योग्य अधिकार और दायित्व पैदा करेगा। प्रवर्तनीयता कानून का विषय है। क्या बाजार या विनिमय तंत्र में एक विनिमय लेनदेन लागू करने योग्य अधिकारों और दायित्वों को सृजित करेगा, तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

अन्य मुद्रा प्राप्त करने का उद्देश्य

क6 मुद्रा के विभिन्न उपयोगों के लिए अलग-अलग विनिमय दरें उपलब्ध हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, अपने भुगतान संतुलन पर दबाव का सामना करने वाला एक क्षेत्राधिकार अन्य न्यायालयों में पूंजी प्रेषण (जैसे लाभांश भुगतान) को रोकना चाह सकता है, लेकिन उन न्यायालयों से विशिष्ट वस्तुओं के आयात को प्रोत्साहित कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में, संबंधित अधिकारी:

- (क) उन वस्तुओं के आयात के लिए एक अधिमान्य विनिमय दर और अन्य न्यायालयों में पूंजी प्रेषण के लिए एक 'जुर्माना' विनिमय दर निर्धारित करें, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न विनिमय लेनदेन पर अलग-अलग विनिमय दरें लागू होती हैं; या
- (ख) अन्य मुद्रा को केवल उन वस्तुओं के आयात के भुगतान के लिए उपलब्ध कराएं न कि अन्य न्यायालयों में पूंजी प्रेषण के लिए।

क7 तदनुसार, क्या कोई मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है, यह उस उद्देश्य पर निर्भर हो सकता है जिसके लिए इकाई अन्य मुद्रा प्राप्त करती है (या काल्पनिक रूप से प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है)। विनिमेयता का आकलन करने में:

- (क) जब कोई इकाई अपनी कार्यात्मक मुद्रा में विदेशी मुद्रा लेनदेन की रिपोर्ट करती है (पैराग्राफ 20-37 देखें), तो इकाई यह मान लेगी कि अन्य मुद्रा प्राप्त करने में उसका उद्देश्य व्यक्तिगत विदेशी मुद्रा लेनदेन, संपत्ति या देनदारियों का एहसास या निपटान करना है।
- (ख) जब कोई इकाई अपनी कार्यात्मक मुद्रा के अतिरिक्त एक प्रस्तुति मुद्रा का उपयोग करती है (पैराग्राफ 38-43 देखें), तो इकाई अन्य मुद्रा प्राप्त करने में अपने उद्देश्य को मान लेगी या अपनी शुद्ध संपत्ति या शुद्ध देनदारियों का निपटान करना है।
- (ग) जब कोई इकाई किसी विदेशी ऑपरेशन के परिणामों और वित्तीय स्थिति को प्रस्तुति मुद्रा में अनुवाद करती है (पैराग्राफ 44-47 देखें), तो इकाई अन्य मुद्रा प्राप्त करने में अपने उद्देश्य को समझेगी या विदेशी ऑपरेशन में अपने शुद्ध निवेश का निपटान करना है।

क8 एक इकाई की शुद्ध परिसंपत्तियों या विदेशी ऑपरेशन में शुद्ध निवेश को इसके द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, उदाहरण के लिए:

- (क) इकाई के स्वामियों को वित्तीय रिटर्न का वितरण;
- (ख) इकाई के विदेशी संचालन से वित्तीय रिटर्न की प्राप्ति; या
- (ग) इकाई या इकाई के स्वामियों द्वारा निवेश की वसूली, जैसे निवेश के निपटान के माध्यम से।

क9 एक इकाई यह आकलन करेगी कि क्या एक मुद्रा पैराग्राफ क7 में निर्दिष्ट प्रत्येक उद्देश्य के लिए अलग से किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय है। उदाहरण के लिए, एक इकाई अपनी कार्यात्मक मुद्रा में विदेशी मुद्रा लेनदेन की रिपोर्टिंग के उद्देश्य के लिए विनिमेयता का आकलन करेगी (पैराग्राफ क7 (क) देखें) एक विदेशी ऑपरेशन के परिणामों और वित्तीय स्थिति का अनुवाद करने के उद्देश्य से विनिमेयता से अलग (पैराग्राफ क7 (ग) देखें)।

अन्य मुद्रा की केवल सीमित मात्रा प्राप्त करने की क्षमता

क10 एक मुद्रा किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है, यदि अनुच्छेद क7 में निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए, एक इकाई अन्य मुद्रा की एक महत्वहीन राशि से अधिक प्राप्त करने में सक्षम नहीं है। एक इकाई उस अन्य मुद्रा की राशि के महत्व का आकलन करेगी जो उस उद्देश्य के लिए आवश्यक अन्य मुद्रा की कुल राशि के साथ उस राशि की तुलना करके निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए प्राप्त करने में सक्षम है। उदाहरण के लिए, एलसी की कार्यात्मक मुद्रा वाली इकाई की देनदारियों को मुद्रा एफसी में दर्शाया गया है। इकाई यह आकलन करती है कि क्या उन देनदारियों को निपटाने के उद्देश्य से प्राप्त एफसी की कुल राशि एफसी में अंकित अपनी देयता शेष राशि की कुल राशि (योग) की तुलना में एक महत्वहीन राशि से अधिक नहीं है।

चरण II: स्पाट विनिमय दर का अनुमान लगाना जब एक मुद्रा विनिमेय नहीं है (अनुच्छेद 19क)

क11 यह मानक यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि कैसे एक इकाई अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करने के लिए स्पाट विनिमय दर का आकलन करती है। एक इकाई समायोजन के बिना एक अवलोकन विनिमय दर का उपयोग कर सकती है (पैराग्राफ क12-क16 देखें) या अन्य आकलन तकनीक (पैराग्राफ क17 देखें)।

समायोजन के बिना एक अवलोकन योग्य विनिमय दर का उपयोग करना

क12 अनुच्छेद 19क द्वारा आवश्यक स्पाट विनिमय दर का आकलन करने में, एक इकाई समायोजन के बिना एक अवलोकन विनिमय दर का उपयोग कर सकती है यदि वह अवलोकन योग्य विनिमय दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है। एक अवलोकन योग्य विनिमय दर के उदाहरणों में शामिल हैं:

- (क) उस उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए स्पाट विनिमय दर जिसके लिए एक इकाई विनिमेयता का आकलन करती है (पैराग्राफ क13-क14 देखें); और
- (ख) पहली विनिमय दर जिस पर एक इकाई मुद्रा की विनिमेयता बहाल होने के बाद निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए अन्य मुद्रा प्राप्त करने में सक्षम है (प्रथम बाद की विनिमय दर) (पैराग्राफ क15-क16 देखें)।

किसी अन्य उद्देश्य के लिए अवलोकन योग्य विनिमय दर का उपयोग करना

क13 एक मुद्रा जो एक उद्देश्य के लिए किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है, उस मुद्रा में किसी अन्य उद्देश्य के लिए विनिमेय हो सकती है। उदाहरण के लिए, एक इकाई विशिष्ट वस्तुओं को आयात करने के लिए मुद्रा प्राप्त करने में सक्षम हो सकती है लेकिन लाभांश का भुगतान करने में नहीं। ऐसी स्थितियों में, इकाई यह निष्कर्ष निकाल सकती

है कि किसी अन्य उद्देश्य के लिए एक अवलोकन योग्य विनिमय दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है। यदि दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है, तो एक इकाई अनुमानित स्पॉट विनिमय दर के रूप में उस दर का उपयोग कर सकती है।

क14 यह आकलन करने में कि क्या इस तरह के एक अवलोकन विनिमय दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है, एक इकाई अन्य कारकों के बीच विचार करेगी:

- (क) *क्या कई अवलोकन योग्य विनिमय दरें मौजूद हैं* - एक से अधिक अवलोकन योग्य विनिमय दर का अस्तित्व यह संकेत दे सकता है कि विनिमय दरें विशेष उद्देश्यों के लिए अन्य मुद्रा प्राप्त करने से संस्थाओं को प्रोत्साहित करने या रोकने के लिए निर्धारित हैं। इन अवलोकन योग्य विनिमय दरों में 'प्रोत्साहन' या 'जुमाना' शामिल हो सकता है और इसलिए मौजूदा आर्थिक स्थितियों को प्रतिबिंबित नहीं कर सकता है।
- (ख) *वह उद्देश्य जिसके लिए मुद्रा विनिमेय है* - यदि कोई इकाई केवल सीमित उद्देश्यों (जैसे आपातकालीन आपूर्ति आयात करने के लिए) के लिए अन्य मुद्रा प्राप्त करने में सक्षम है, तो अवलोकन योग्य विनिमय दर मौजूदा आर्थिक स्थितियों को प्रतिबिंबित नहीं कर सकती है।
- (ग) *विनिमय दर की प्रकृति* - एक मुक्त-अस्थायी अवलोकन योग्य विनिमय दर संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित हस्तक्षेप के माध्यम से निर्धारित विनिमय दर की तुलना में प्रचलित आर्थिक स्थितियों को प्रतिबिंबित करने की अधिक संभावना है।
- (घ) *आवृत्ति जिसके साथ विनिमय दरों को अद्यतन किया जाता है* - समय के साथ अपरिवर्तित एक अवलोकन योग्य विनिमय दर एक अवलोकन योग्य विनिमय दर की तुलना में प्रचलित आर्थिक स्थितियों को प्रतिबिंबित करने की संभावना कम होती है जिसे दैनिक आधार पर अपडेट किया जाता है (या इससे भी अधिक बार)।

प्रथम बाद की विनिमय दर का उपयोग करना

क15 एक मुद्रा जो किसी निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए माप तिथि पर किसी अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं है, बाद में उस उद्देश्य के लिए उस मुद्रा में विनिमेय हो सकती है। ऐसी स्थितियों में, एक इकाई यह निष्कर्ष निकाल सकती है कि पहली बाद की विनिमय दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है। यदि दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है, तो एक इकाई अनुमानित स्पॉट विनिमय दर के रूप में उस दर का उपयोग कर सकती है।

क16 यह आकलन करने में कि क्या प्रथम बाद की विनिमय दर अनुच्छेद 19क में उद्देश्य को पूरा करती है, एक इकाई अन्य कारकों के बीच विचार करेगी:

- (क) *माप तिथि और उस तिथि के बीच का समय जिस पर विनिमेयता बहाल की जाती है* - इस अवधि में जितनी कम होगी, उतनी ही अधिक संभावना है कि पहली बाद की विनिमय दर मौजूदा आर्थिक स्थितियों को दर्शाएगी।
- (ख) *मुद्रास्फीति की दर* - जब कोई अर्थव्यवस्था उच्च मुद्रास्फीति के अधीन होती है, जिसमें जब कोई अर्थव्यवस्था हाइपरइन्फ्लेशनरी होती है (जैसा कि इंड एएस 29 में निर्दिष्ट है, *हाइपरइन्फ्लेशनरी अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय रिपोर्टिंग*), कीमतें अक्सर जल्दी बदलती हैं, शायद दिन में कई बार। तदनुसार, ऐसी अर्थव्यवस्था की मुद्रा के लिए पहली बाद की विनिमय दर मौजूदा आर्थिक स्थितियों को प्रतिबिंबित नहीं कर सकती है।

किसी अन्य आकलन तकनीक का उपयोग करना

क17 किसी अन्य आकलन तकनीक का उपयोग करने वाली एक इकाई किसी भी अवलोकन योग्य विनिमय दर का उपयोग कर सकती है - जिसमें बाजारों या विनिमय तंत्र में विनिमय लेनदेन से दरें शामिल हैं जो लागू करने योग्य अधिकार और दायित्व नहीं बनाते हैं - और पैराग्राफ 19क में उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यक रूप से उस दर को समायोजित कर सकते हैं।

प्रकटीकरण जब कोई मुद्रा विनिमेय नहीं है

क18 एक इकाई पैराग्राफ 57क में प्रकटीकरण उद्देश्य को पूरा करने के लिए कितना विस्तार आवश्यक है पर विचार करेगी। एक इकाई पैराग्राफ क19-क20 में निर्दिष्ट जानकारी और अनुच्छेद 57क में प्रकटीकरण उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यक किसी भी अतिरिक्त जानकारी का प्रकटन करेगी।

क19 अनुच्छेद 57क लागू करने में, एक इकाई का निम्नलिखित प्रकटन करेगा:

- (क) मुद्रा और प्रतिबंधों का विवरण जिसके परिणामस्वरूप उस मुद्रा को अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं किया जा सकता है;
- (ख) प्रभावित लेनदेन का विवरण;
- (ग) प्रभावित परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि;
- (घ) उपयोग की जाने वाली स्पाट विनिमय दरें और क्या वे दरें:
 - i. समायोजन के बिना अवलोकन योग्य विनिमय दरें (पैराग्राफ क12-क16 देखें) हैं; या
 - ii. स्पाट विनिमय दरों का आकलन एक और आकलन तकनीक का उपयोग करके लगाया गया है (पैराग्राफ क17 देखें);
- (ङ) किसी भी अनुमान तकनीक का विवरण इकाई ने उपयोग किया है, और उस आकलन तकनीक में उपयोग किए गए इनपुट और मान्यताओं के बारे में गुणात्मक और मात्रात्मक जानकारी; और
- (च) प्रत्येक प्रकार के जोखिम के बारे में गुणात्मक जानकारी जिसके लिए इकाई उजागर होती है क्योंकि मुद्रा अन्य मुद्रा में विनिमेय नहीं होती है, और प्रत्येक प्रकार के जोखिम के संपर्क में आने वाली संपत्ति और देनदारियों की प्रकृति और वहन राशि।

क20 जब किसी विदेशी ऑपरेशन की कार्यात्मक मुद्रा प्रस्तुति मुद्रा में विनिमेय नहीं होती है या, यदि लागू हो, तो प्रस्तुति मुद्रा विदेशी ऑपरेशन की कार्यात्मक मुद्रा में विनिमेय नहीं होती है, तो एक इकाई यह भी प्रकटन करेगी:

- (क) विदेशी ऑपरेशन का नाम; चाहे विदेशी ऑपरेशन एक सहायक, संयुक्त संचालन, संयुक्त उद्यम, सहयोगी या शाखा हो; और इसके व्यवसाय का प्रमुख स्थान;
- (ख) विदेशी ऑपरेशन के बारे में संक्षेप में वित्तीय जानकारी; और
- (ग) किसी भी संविदात्मक व्यवस्था की प्रकृति और शर्तें जिनके लिए इकाई को विदेशी ऑपरेशन को वित्तीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता हो सकती है, जिसमें ऐसी घटनाएं या परिस्थितियां शामिल हैं जो इकाई को नुकसान पहुंचा सकती हैं।”

(viii) परिशिष्ट ख के पश्चात्, निम्नलिखित परिशिष्ट अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"परिशिष्ट ग

अन्य भारतीय लेखा मानकों में निहित मामलों के संदर्भ

इस परिशिष्ट इंड एस का एक अभिन्न हिस्सा है।

इस परिशिष्ट, परिशिष्ट जो एक और भारतीय लेखा मानक का एक हिस्सा है और इंड एस 21 के रूप में के संदर्भ में बनाता है, विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव।

- i. परिशिष्ट ग, एक विदेशी आपरेशन में एक शुद्ध निवेश के हेजेज, इंड एस के रूप में 109 में निहित, वित्तीय साधन भी इस मानक के संदर्भ बनाता है।"

(ix) परिशिष्ट 1 में, पैरा 5 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

"6. परिशिष्ट ग 'अन्य भारतीय लेखा मानकों में निहित मामलों के संदर्भ', जो इंड एस 21 में विषय के लिए भी प्रासंगिक है जो अन्य इंड एस में पहले से उपलब्ध मार्गदर्शन सामग्री पर ध्यान आकर्षित करने के लिए इंड एस के रूप में 21 में शामिल किया गया है."

(ख) "भारतीय लेखा मानक (इंड एस में) 101" में, -

(i) पैरा 31ग के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्:-

"31ग यदि प्रतिष्ठान उचित मूल्य पर आस्तियों तथा दायित्वों को मापने के लिए और उस उचित मूल्य को अपने प्रारम्भिक भारतीय लेखा मानक तुलन-पत्र में अति उच्च मुद्रास्फीति (देखें अनुच्छेद घ 26-घ 30) के कारण मानी गयी लागत के रूप में प्रयोग करने के लिए चयन करता है तो प्रतिष्ठान प्रथम भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में इसके स्पष्टीकरण का प्रकटन करेगा कि प्रतिष्ठान के पास वह कार्यात्मक मुद्रा कैसे और क्यों थी तथा बाद में वह कैसे और क्यों नहीं थी, एक कार्यात्मक मुद्रा जो गंभीर हाइपरइंफ्लेशन के अधीन है।

(ii) पैरा 39कज के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

"39कज विनिमेयता की कमी (इंड एस 21 में संशोधन), पैराग्राफ 31ग और घ 27 में संशोधन.

एक इकाई उन संशोधनों को लागू करेगी जब यह इंड एस 21 के लिए संशोधन लागू होता है।

(iii) परिशिष्ट घ में, पैरा घ 27 में, बिंदु (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(ख) मुद्रा अपेक्षाकृत स्थिर विदेशी मुद्रा में विनिमेय नहीं है। विनिमेयता का मूल्यांकन इंड एस 21, के अनुसार किया जाता है।"

[फा. सं. 01/01/2009-सीएल-V (भाग XV)]

बालामुरुगन देवराज, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में संख्यांक सा.का.नि. 111(अ), तारीख 16 फरवरी, 2015 द्वारा प्रकाशित किए गए थे तथा तारीख 28 सितंबर, 2024 सा.का.नि. 602(अ) अधिसूचना द्वारा अंतिम बार संशोधित किए गए।

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
NOTIFICATION

New Delhi, the 7th May, 2025

G.S.R. 291(E).— In exercise of the powers conferred by section 133 read with section 469 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013), the Central Government, in consultation with the National Financial Reporting Authority, hereby makes the following rules further to amend the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, namely:—

1. Short title and commencement. -(1) These rules may be called the Companies (Indian Accounting Standards) Amendment Rules, 2025.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, in the “Annexure”, under the heading “B. Indian Accounting Standards (Ind AS)”, —

(A) in “Indian Accounting Standard (Ind AS) 21”, —

(i) in paragraph 8, after first sub-paragraph, the following sub-paragraph shall be inserted, namely: —

“A currency is exchangeable into another currency when an entity is able to obtain the other currency within a time frame that allows for a normal administrative delay and through a market or exchange mechanism in which an exchange transaction would create enforceable rights and obligations.”

(ii) after paragraph 8, the following paragraphs shall be inserted, namely: -

“Elaboration on the definitions

Exchangeable (paragraphs A2–A10)

8A An entity assesses whether a currency is exchangeable into another currency:

- (a) at a measurement date; and
- (b) for a specified purpose.

8B If an entity is able to obtain no more than an insignificant amount of the other currency at the measurement date for the specified purpose, the currency is not exchangeable into the other currency.”

(iii) after paragraph 19, the following paragraph shall be inserted, namely: —

“Estimating the spot exchange rate when a currency is not exchangeable (paragraphs A11–A17)

“19A An entity shall estimate the spot exchange rate at a measurement date when a currency is not exchangeable into another currency (as described in paragraphs 8, 8A–8B and A2–A10) at that date. An entity’s objective in estimating the spot exchange rate is to reflect the rate at which an orderly exchange transaction would take place at the measurement date between market participants under prevailing economic conditions.”

(iv) for paragraph 26, the following paragraph shall be substituted, namely: —

“26 When several exchange rates are available, the rate used is that at which the future cash flows represented by the transaction or balance could have been settled if those cash flows had occurred at the measurement date.”

(v) after paragraph 57, the following paragraphs shall be inserted, namely: —

“57A When an entity estimates a spot exchange rate because a currency is not exchangeable into another currency (see paragraph 19A), the entity shall disclose information that enables users of its financial statements to understand how the currency not being exchangeable into the other currency affects, or is expected to affect, the entity’s financial performance, financial position and cash flows. To achieve this objective, an entity shall disclose information about:

- (a) the nature and financial effects of the currency not being exchangeable into the other currency;
- (b) the spot exchange rate(s) used;
- (c) the estimation process; and
- (d) the risks to which the entity is exposed because of the currency not being exchangeable into the other currency.

57B Paragraphs A18–A20 specify how an entity applies paragraph 57A.”

(vi) after paragraph 60K, the following paragraphs shall be inserted, namely: —

“60L *Lack of Exchangeability*, amended paragraphs 8 and 26, and added paragraphs 8A–8B, 19A, 57A–57B and Appendix A. An entity shall apply those amendments for annual reporting periods beginning on or after 1 April 2025. The date of initial application is the beginning of the annual reporting period in which an entity first applies those amendments.

60M In applying *Lack of Exchangeability*, an entity shall not restate comparative information.

Instead:

- (a) when the entity reports foreign currency transactions in its functional currency, and, at the date of initial application, concludes that its functional currency is not exchangeable into the foreign currency or, if applicable, concludes that the foreign currency is not exchangeable into its functional currency, the entity shall, at the date of initial application:
 - i. translate affected foreign currency monetary items, and non-monetary items measured at fair value in a foreign currency, using the estimated spot exchange rate at that date; and
 - ii. recognise any effect of initially applying the amendments as an adjustment to the opening balance of retained earnings.
- (b) when the entity uses a presentation currency other than its functional currency, or translates the results and financial position of a foreign operation, and, at the date of initial application, concludes that its functional currency (or the foreign operation's functional currency) is not exchangeable into its presentation currency or, if applicable, concludes that its presentation currency is not exchangeable into its functional currency (or the foreign operation's functional currency), the entity shall, at the date of initial application:
 - i. translate affected assets and liabilities using the estimated spot exchange rate at that date;
 - ii. translate affected equity items using the estimated spot exchange rate at that date if the entity's functional currency is hyperinflationary; and
 - iii. recognise any effect of initially applying the amendments as an adjustment to the cumulative amount of translation differences—accumulated in a separate component of equity.”
- (vii) for Appendix ‘A’ and entries relating thereto, the following Appendix and entries shall be substituted, namely: —

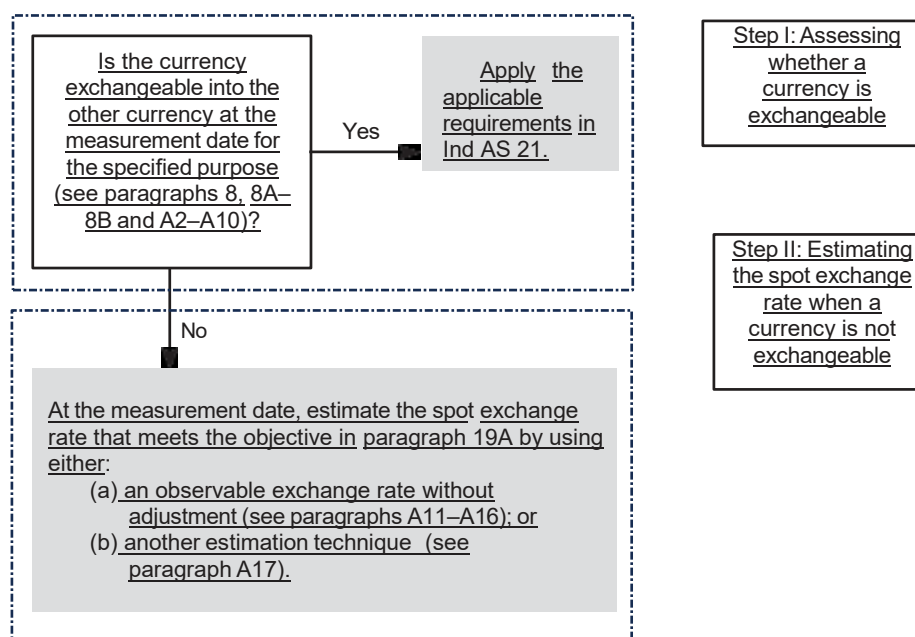
“Appendix A

Application guidance

This appendix is an integral part of the Standard.

Exchangeability

A1 The purpose of the following diagram is to help entities assess whether a currency is exchangeable and estimate the spot exchange rate when a currency is not exchangeable.



Step I: Assessing whether a currency is exchangeable**(paragraphs 8 and 8A–8B)**

- A2 Paragraphs A3–A10 set out application guidance to help an entity assess whether a currency is exchangeable into another currency. An entity might determine that a currency is not exchangeable into another currency, even though that other currency might be exchangeable in the other direction. For example, an entity might determine that currency PC is not exchangeable into currency LC, even though currency LC is exchangeable into currency PC.

Time frame

- A3 Paragraph 8 defines a spot exchange rate as the exchange rate for immediate delivery. However, an exchange transaction might not always complete instantaneously because of legal or regulatory requirements, or for practical reasons such as public holidays. A normal administrative delay in obtaining the other currency does not preclude a currency from being exchangeable into that other currency. What constitutes a normal administrative delay depends on facts and circumstances.

Ability to obtain the other currency

- A4 In assessing whether a currency is exchangeable into another currency, an entity shall consider its ability to obtain the other currency, rather than its intention or decision to do so. Subject to the other requirements in paragraphs A2–A10, a currency is exchangeable into another currency if an entity is able to obtain the other currency—either directly or indirectly—even if it intends or decides not to do so. For example, subject to the other requirements in paragraphs A2–A10, regardless of whether the entity intends or decides to obtain PC, currency LC is exchangeable into currency PC if an entity is able to either exchange LC for PC, or exchange LC for another currency (FC) and then exchange FC for PC.

Markets or exchange mechanisms

- A5 In assessing whether a currency is exchangeable into another currency, an entity shall consider only markets or exchange mechanisms in which a transaction to exchange the currency for the other currency would create enforceable rights and obligations. Enforceability is a matter of law. Whether an exchange transaction in a market or exchange mechanism would create enforceable rights and obligations depends on facts and circumstances.

Purpose of obtaining the other currency

- A6 Different exchange rates might be available for different uses of a currency. For example, a jurisdiction facing pressure on its balance of payments might wish to deter capital remittances (such as dividend payments) to other jurisdictions but encourage imports of specific goods from those jurisdictions. In such circumstances, the relevant authorities might:
- (a) set a preferential exchange rate for imports of those goods and a ‘penalty’ exchange rate for capital remittances to other jurisdictions, thus resulting in different exchange rates applying to different exchange transactions; or
 - (b) make the other currency available only to pay for imports of those goods and not for capital remittances to other jurisdictions.
- A7 Accordingly, whether a currency is exchangeable into another currency could depend on the purpose for which the entity obtains (or hypothetically might need to obtain) the other currency. In assessing exchangeability:
- (a) when an entity reports foreign currency transactions in its functional currency (see paragraphs 20–37), the entity shall assume its purpose in obtaining the other currency is to realise or settle individual foreign currency transactions, assets or liabilities.
 - (b) when an entity uses a presentation currency other than its functional currency (see paragraphs 38–43), the entity shall assume its purpose in obtaining the other currency is to realise or settle its net assets or net liabilities.
 - (c) when an entity translates the results and financial position of a foreign operation into the presentation currency (see paragraphs 44–47), the entity shall assume its purpose in obtaining the other currency is to realise or settle its net investment in the foreign operation.
- A8 An entity’s net assets or net investment in a foreign operation might be realised by, for example:
- (a) the distribution of a financial return to the entity’s owners;
 - (b) the receipt of a financial return from the entity’s foreign operation; or

- (c) the recovery of the investment by the entity or the entity's owners, such as through disposal of the investment.

A9 An entity shall assess whether a currency is exchangeable into another currency separately for each purpose specified in paragraph A7. For example, an entity shall assess exchangeability for the purpose of reporting foreign currency transactions in its functional currency (see paragraph A7(a)) separately from exchangeability for the purpose of translating the results and financial position of a foreign operation (see paragraph A7(c)).

Ability to obtain only limited amounts of the other currency

A10 A currency is not exchangeable into another currency if, for a purpose specified in paragraph A7, an entity is able to obtain no more than an insignificant amount of the other currency. An entity shall assess the significance of the amount of the other currency it is able to obtain for a specified purpose by comparing that amount with the total amount of the other currency required for that purpose. For example, an entity with a functional currency of LC has liabilities denominated in currency FC. The entity assesses whether the total amount of FC it can obtain for the purpose of settling those liabilities is no more than an insignificant amount compared with the aggregated amount (the sum) of its liability balances denominated in FC.

Step II: Estimating the spot exchange rate when a currency is not exchangeable (paragraph 19A)

A11 This Standard does not specify how an entity estimates the spot exchange rate to meet the objective in paragraph 19A. An entity can use an observable exchange rate without adjustment (see paragraphs A12–A16) or another estimation technique (see paragraph A17).

Using an observable exchange rate without adjustment

A12 In estimating the spot exchange rate as required by paragraph 19A, an entity may use an observable exchange rate without adjustment if that observable exchange rate meets the objective in paragraph 19A. Examples of an observable exchange rate include:

- (a) a spot exchange rate for a purpose other than that for which an entity assesses exchangeability (see paragraphs A13–A14); and
- (b) the first exchange rate at which an entity is able to obtain the other currency for the specified purpose after exchangeability of the currency is restored (first subsequent exchange rate) (see paragraphs A15–A16).

Using an observable exchange rate for another purpose

A13 A currency that is not exchangeable into another currency for one purpose might be exchangeable into that currency for another purpose. For example, an entity might be able to obtain a currency to import specific goods but not to pay dividends. In such situations, the entity might conclude that an observable exchange rate for another purpose meets the objective in paragraph 19A. If the rate meets the objective in paragraph 19A, an entity may use that rate as the estimated spot exchange rate.

A14 In assessing whether such an observable exchange rate meets the objective in paragraph 19A, an entity shall consider, among other factors:

- (a) *whether several observable exchange rates exist*—the existence of more than one observable exchange rate might indicate that exchange rates are set to encourage, or deter, entities from obtaining the other currency for particular purposes. These observable exchange rates might include an 'incentive' or 'penalty' and therefore might not reflect the prevailing economic conditions.
- (b) *the purpose for which the currency is exchangeable*—if an entity is able to obtain the other currency only for limited purposes (such as to import emergency supplies), the observable exchange rate might not reflect the prevailing economic conditions.
- (c) *the nature of the exchange rate*—a free-floating observable exchange rate is more likely to reflect the prevailing economic conditions than an exchange rate set through regular interventions by the relevant authorities.
- (d) *the frequency with which exchange rates are updated*—an observable exchange rate unchanged over time is less likely to reflect the prevailing economic conditions than an observable exchange rate that is updated on a daily basis (or even more frequently).

Using the first subsequent exchange rate

A15 A currency that is not exchangeable into another currency at the measurement date for a specified purpose might subsequently become exchangeable into that currency for that purpose. In such situations, an entity might conclude that the first subsequent exchange rate meets the objective in paragraph 19A. If the rate meets the objective in paragraph 19A, an entity may use that rate as the estimated spot exchange rate.

A16 In assessing whether the first subsequent exchange rate meets the objective in paragraph 19A, an entity shall consider, among other factors:

- (a) *the time between the measurement date and the date at which exchangeability is restored*—the shorter this period, the more likely the first subsequent exchange rate will reflect the prevailing economic conditions.
- (b) *inflation rates*—when an economy is subject to high inflation, including when an economy is hyperinflationary (as specified in Ind AS 29, *Financial Reporting in Hyperinflationary Economies*), prices often change quickly, perhaps several times a day. Accordingly, the first subsequent exchange rate for a currency of such an economy might not reflect the prevailing economic conditions.

Using another estimation technique

A17 An entity using another estimation technique may use any observable exchange rate—including rates from exchange transactions in markets or exchange mechanisms that do not create enforceable rights and obligations—and adjust that rate, as necessary, to meet the objective in paragraph 19A.

Disclosure when a currency is not exchangeable

A18 An entity shall consider how much detail is necessary to satisfy the disclosure objective in paragraph 57A. An entity shall disclose the information specified in paragraphs A19–A20 and any additional information necessary to meet the disclosure objective in paragraph 57A.

A19 In applying paragraph 57A, an entity shall disclose:

- (a) the currency and a description of the restrictions that result in that currency not being exchangeable into the other currency;
- (b) a description of affected transactions;
- (c) the carrying amount of affected assets and liabilities;
- (d) the spot exchange rates used and whether those rates are:
 - i. observable exchange rates without adjustment (see paragraphs A12–A16); or
 - ii. spot exchange rates estimated using another estimation technique (see paragraph A17);
- (e) a description of any estimation technique the entity has used, and qualitative and quantitative information about the inputs and assumptions used in that estimation technique; and
- (f) qualitative information about each type of risk to which the entity is exposed because the currency is not exchangeable into the other currency, and the nature and carrying amount of assets and liabilities exposed to each type of risk.

A20 When a foreign operation's functional currency is not exchangeable into the presentation currency or, if applicable, the presentation currency is not exchangeable into a foreign operation's functional currency, an entity shall also disclose:

- (a) the name of the foreign operation; whether the foreign operation is a subsidiary, joint operation, joint venture, associate or branch; and its principal place of business;
- (b) summarised financial information about the foreign operation; and
- (c) the nature and terms of any contractual arrangements that could require the entity to provide financial support to the foreign operation, including events or circumstances that could expose the entity to a loss."

(viii) after Appendix B, the following Appendix shall be inserted, namely: —

“Appendix C

References to matters contained in other Indian Accounting Standards

This Appendix is an integral part of the Ind AS.

This appendix lists the appendix which is a part of another Indian Accounting Standard and makes reference to Ind AS 21, *The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates*.

1. Appendix C, *Hedges of a Net Investment in a Foreign Operation*, contained in Ind AS 109, *Financial instruments* makes reference to this Standard also.”

(ix) in Appendix 1, after paragraph 5, the following paragraph shall be inserted, namely: —

“6. Appendix C ‘References to matters contained in other Indian Accounting Standards’, has been included in Ind AS 21 to draw attention to guidance material already available in other Ind ASs, which is also relevant to the topic in Ind AS 21.”

(B) in “Indian Accounting Standard (Ind AS) 101”, —

(i) for paragraph 31C, the following paragraph shall be substituted, namely: —

“31C If an entity elects to measure assets and liabilities at fair value and to use that fair value as the deemed cost in its opening Ind AS Balance Sheet because of severe hyperinflation (see paragraphs D26–D30), the entity’s first Ind AS financial statements shall disclose an explanation of how, and why, the entity had, and then ceased to have, a functional currency that is subject to severe hyperinflation.”

(ii) after paragraph 39AH, the following paragraph shall be inserted, namely: —

“39AI *Lack of Exchangeability* (Amendments to Ind AS 21), amended paragraphs 31C and D27.

An entity shall apply those amendments when it applies the amendments to Ind AS 21.”

(iii) in Appendix D, in paragraph D27, for point (b), the following paragraph shall be substituted, namely: -

“(b) the currency is not exchangeable into a relatively stable foreign currency. Exchangeability is assessed in accordance with Ind AS 21.”

[F. No. 01/01/2009-CL-V (Part. XV)]

BALAMURUGAN DEVARAJ, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 111(E), dated the 16th February, 2015 and last amended vide notification number G.S.R. 602(E), dated the 28th September, 2024.